हिन्दुस्तान
ट्रांस हिंडन
LIVE

नंदन

ये जान कर हैरानी होगी कि जंगल के जानवर अब शहर में आने वाले हैं...पेज 23

एंटरटेनमे

सोनम ने
नहीं चाहत
करके अप
दूर हों....पे

गुरुवार, 03 दिसंबर 2015

लाइन में खराबी से रुका सबस्टेशन

गाजियाबाद। अंडर ग्राउंड केबल में खराबी से संजय-गीता पार्क के पास बन रहा 33 केवी बिजलीघर शुरू नहीं हो पा रहा है। सब स्टेशन बनकर तैयार है, लेकिन लाइन में खराबी इसकी शुरुआत में बाधक बनी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि लाइन को ठीक किया जा रहा है, साथ ही सब स्टेशन को जल्द शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है।

बिजली निगम संजय गीता पार्क के पास 33 केवी का सब स्टेशन बना रहा है। इसका निर्माण 2011 से चल रहा था, अब बिजलीघर का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। बिजली अधिकारियों ने इस सब स्टेशन को दिवाली से पहले शुरू करने की तैयारी की थी, लेकिन यह अभी तक शुरू नहीं हो पाया है।

तीन साल पहले डाली गई थी लाइन : बिजली निगम ने डीपीएच 132 केवी सब स्टेशन से संजय गीता पार्क के पास बन रहे सब स्टेशन के लिए तीन साल पहले लाइन डाली थी। इसी लाइन में खराबी आ गई।

30 लड़कियों को स्नातक तक पढ़ा चुके हैं दंपति, कई की शादी का खर्च भी उठाया, बेटे को खोने के बाद मन लगाने के लिए पढ़ाना शुरू किया

इकलौते बेटे की मौत के बाद जरूरतमंद बेटियों के नाम कर दी जिंदगी

ट्रांस हिंडन | प्रिया पंवार

इकलौते बेटे की मौत के बाद मां-बाप ने अपनी जिंदगी झुग्गी-झोपड़ी की रहने वाली लड़कियों को पढ़ा-लिखाकर हुनरमंद बनाने में लगा दी। पिछले छह साल में यह दंपति 30 से अधिक लड़कियों को स्नातक करा चुका है। इनमें से कई की शादी का खर्चा भी उठाया। इन दिनों वे 90 लड़कियों की पढ़ाई का जिम्मा उठा रहे हैं।

वैशाली सेक्टर पांच में रहने वाली अनुपमा अपने पति अखिलेश मेडवाल के साथ मिलकर वैशाली, मकनपुर और भोवापुर की झुग्गियों में रहने वाली लड़कियों को पढ़ा रही हैं। अनुपमा ने बताया कि वर्ष 2009 में उनकी इकलौती संतान आकाश की लखनऊ में नौकरी लगी थी। एक महीने बाद आकाश लखनऊ से गाजियाबाद लौट रहा था। इस दौरान सड़क दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। इसके बाद अनुपमा ने अपना मन लगाने के लिए आसपास रहने वाली गरीब बच्चियों को पढ़ाना शुरू कर दिया। उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि इन बच्चों के खिलते चेहरों उनकी खुशी की वजह बन रहे हैं।

वैशाली सेक्टर-5 में रहने वाले दंपति जो अभावग्रस्त लड़कियों को पढ़ाते हैं।

एक साल से पति भी बच्चियों को पढ़ा रहे

अखिलेश ने बताया कि वह सेल (स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) में असिस्टेंट जनरल मैनेजर के पद पर तैनात थे। एक साल पहले ही वे सेवानिवृत्त हुए हैं। जब से वह रिटायर हुए तभी से बच्चियों को पढ़ाने में समय दे रहे हैं। जब उनकी पढ़ाई हुई बच्चियां टॉप करतीं हैं तब उन्हें लगता है कि उनका बेटा आकाश उनसे दूर नहीं है। वह इन बच्चियों के रूप में उनके आसपास ही मौजूद है।

चार की कराई शादी, आठ का दिल्ली में दाखिला

अनुपमा ने बताया कि पिछले छह साल में वह चार बच्चियों की शादी करा चुकी है, जबकि आठ लड़कियां दिल्ली यूनीवर्सिटी की एसओएल (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग) से बीए, बीकॉम की पढ़ाई कर रही हैं। वहीं 18 लड़कियां 10वीं व 12वीं की परीक्षा की तैयारी कर रही है।

लड़कियों को काबिल बनाना जिंदगी का मकसद

अनुपमा बताती हैं कि लड़कियां काबिल बनकर पैरों पर खड़ी हो सकें और बेहतर जीवन जीएं, यहीं उनकी जिंदगी का मकसद है। इसके लिए वह रोजाना दिन में चार घंटे लड़कियों की पढ़ाई के साथ दो घंटे कंप्यूटर और पाक कला का भी प्रशिक्षण देतीं हैं।

प्रीति और कविता ने 10 साल बाद पढ़ाई शुरू की

आकाश मेडवाल फाउंडेशन में पढ़ने वाली प्रीति और कविता ने बताया कि 10 साल पहले उन्होंने आर्थिक स्थिति ठीक न होने की वजह से पढ़ाई छोड़ दी थी। अब उन दोनों ने 11वीं की पढ़ाई शुरू की है।

ये कोर्स कराए जाते हैं : कंप्यूटर शिक्षा, इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स, पर्सनेलिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम, मेहंदी लगाना

हर माह 20 हजार रुपये खर्च करते हैं

अखिलेश ने बताया कि बच्चियों की पढ़ाई पर हर महीने 15-20 हजार रुपये खर्च होते हैं। इसके लिए उनके रिश्तेदार और जिस कंपनी में उनका बेटा आकाश काम करता था वह कंपनी मदद करती है।